

ये अव्यक्त इशारे  
**कर्मयोगी बनो**

**14-06-2024**

कर्म करते हुए बार-बार अटेन्शन दो कि बाप की याद और सेवा में तत्पर हैं! सदा यह याद रखो कि हर कर्मेन्द्रियों द्वारा बाप की याद की स्मृति दिलाने की सेवा करनी है। हर संकल्प द्वारा विश्व कल्याण का अर्थात् लाइट हाउस का कर्तव्य करना है। हर सेकेण्ड की पावरफुल वृत्ति द्वारा चारों ओर पावरफुल वायब्रेशन फैलाना है, हर कर्म द्वारा हर आत्मा को कर्मयोगी भव का वरदान देना है। हर कदम में स्वयं प्रति पदमों की कमाई जमा करना है। संकल्प, समय, वृत्ति और कर्म चारों को सेवा प्रति लगाना, यही है कर्मयोगी स्टेज।

## **Be a karma yogi.**

While performing actions, repeatedly pay attention to being engaged in the Father's remembrance and service. Always remember that you have to do the service of reminding others of remembering the Father through your every physical organ. Through your every thought, bring world benefit, that is, carry out the task of being a lighthouse. With the powerful attitude at every second, spread powerful vibrations everywhere. Through your every action, give every soul the blessing of being a karma yogi. At every second, accumulate an income of multimillions for the self. Use all four – your thoughts, time, attitude and actions – for service. This is having a karma yogi stage.